

سَيَقُولُ السُّفَهَاءُ مِنَ النَّاسِ مَا وَلَّهُمْ

अनकरीब भेवकूक लोग कहेंगे के किस चीज ने उन को इेर दिया

عَنْ قِبَلَتِهِمُ الَّتِي كَانُوا عَلَيْهَا ۚ قُلْ لِلَّهِ الْمَشْرِقُ

उन के उस क्खले से जिस पर वो थे. आप इरमा दीजिये के अल्लाह डी के लिये भशरिक

وَالْمَغْرِبُ ۚ يَهْدِي مَنْ يَشَاءُ إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ﴿۳۳﴾

और मगरिब हे. अल्लाह सीधे रास्ते की तरफ़ छिदायत देते हैं जिसे याहते हैं.

وَكَذَلِكَ جَعَلْنَاكُمْ أُمَّةً وَسَطًا لِتَكُونُوا شُهَدَاءَ

और इसी तरह उम ने तुम्हें दरमियानी उम्मत बनाया ताके तुम ई-सानों पर

عَلَى النَّاسِ وَيَكُونَ الرَّسُولُ عَلَيْكُمْ شَهِيدًا ۗ

गवाह रहो और रसूलुल्लाह (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) तुम पर गवाह रहें.

وَمَا جَعَلْنَا الْقِبْلَةَ الَّتِي كُنْتَ عَلَيْهَا إِلَّا لِنَعْلَمَ مَنْ

और उम ने नडी बनाया उस क्खले को जिस पर आप थे मगर इस लिये ताके उम मालूम करे के कौन

يَتَّبِعُ الرَّسُولَ مِمَّنْ يَنْقَلِبُ عَلَى عَقْبَيْهِ ۗ

रसूल के पीछे चलता है (और कौन) उन में से अपनी अडियों के बल पलट जाते हैं.

وَإِنْ كَانَتْ لَكَبِيرَةً إِلَّا عَلَى الَّذِينَ هَدَى اللَّهُ ۗ وَمَا كَانَ

और यकीनन ये क्खला बडी भारी चीज थी मगर उन पर जिन को अल्लाह ने छिदायत दी. और अल्लाह ऐसा

اللَّهُ لِيُضَيِّعَ إِيمَانَكُمْ ۗ إِنَّ اللَّهَ بِالنَّاسِ لَرَءُوفٌ رَحِيمٌ ﴿۳۴﴾

नडी के तुम्हारी नमाज को ज़येअ करे. यकीनन अल्लाह ई-सानों पर शक़्त वाले, निछायत रहम वाले हैं.

قَدْ نَرَى تَقَلُّبَ وَجْهِكَ فِي السَّمَاءِ ۚ فَلَنُوَلِّيَنَّكَ

यकीनन आप के येडरे के बारबार आस्मान की तरफ़ उठने को उम देष रहें हैं. फिर उम ज़र आप को

قِبْلَةً تَرْضَاهَا ۗ فَوَلِّ وَجْهَكَ شَطْرَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ ۗ

इेर हेंगे उस क्खले की तरफ़ जिस को आप पसन्द करते हैं. इस लिये आप अपना रुम मस्जिदे हराम की तरफ़

وَ حَيْثُ مَا كُنْتُمْ فَوَلُّوا وُجُوهَكُمْ شَطْرَهُ ۗ

कर लिजिये. और जहां भी तुम हो तो तुम अपना रुम मस्जिदे हराम की तरफ़ इेर लो.

وَإِنَّ الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ لَيَعْلَمُونَ أَنَّهُ الْحَقُّ مِنْ

और यकीनन वो लोग जिन को किताब दी गई वो यकीन रખते हैं के ये उक है उन के रब की तरफ़ से.

رَبِّهِمْ ۖ وَمَا لِلَّهِ بِغَافِلٍ عَمَّا يَعْمَلُونَ ﴿۱۳۳﴾ وَلَئِن آتَيْتَ

और अल्लाह बेखबर नहीं है उन आमांल से जो वो कर रहे हैं. और अगर आप ले आओं

الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ بِكُلِّ آيَةٍ مَّا تَبِعُوا قِبْلَتَكَ ۚ

उन के पास जिन को किताब दी गई तमाम मोअजिअत भी, तब भी वो आप के क़िले का र्तिबा नहीं करेंगे.

وَمَا أَنْتَ بِتَابِعٍ قِبْلَتِهِمْ ۚ وَمَا بَعْضُهُمْ بِتَابِعٍ قِبْلَةَ

और न आप उन के क़िले का र्तिबा करने वाले हैं. और न उन में से अक दूसरे के क़िले का र्तिबा

بَعْضٍ ۖ وَلَئِن اتَّبَعْتَ أَهْوَاءَهُمْ مِّنْ بَعْدِ مَا جَاءَكَ

करने वाला है. और अगर आप उन की भ्वाडिशत के पीछे यले र्स के बाद के आप के

مِنَ الْعِلْمِ إِنَّكَ إِذَا لَمِنَ الظَّالِمِينَ ﴿۱۳۴﴾ الَّذِينَ اتَّيْنَهُمْ

पास र्स आ गया तो यकीनन आप कुसूरवारों में से हो जाअंगे. वो लोग जिन को डम ने किताब

الْكِتَابَ يَعْرِفُونَهُ كَمَا يَعْرِفُونَ أَبْنَاءَهُمْ ۖ

दी वो आप (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) को पेडयानते हैं जैसा के अपने बेटों को पेडयानते हैं.

وَإِنَّ فَرِيقًا مِّنْهُمْ لَيَكْتُمُونَ الْحَقَّ وَهُمْ يَعْمُونَ ﴿۱۳۵﴾

और यकीनन उन में से अक जमाअत डक को छुपाती है र्स डाल में के वो जानती भी है.

الْحَقَّ مِنْ رَبِّكَ فَلَا تَكُونَنَّ مِنَ الْمُمْتَرِينَ ﴿۱۳۶﴾

ये डक है आप के रब की तरफ से, र्स लिये आप शक करने वालों में से न डों.

وَ لِكُلِّ وِجْهَةٍ هُوَ مَوْلِيهَا فَاسْتَبِقُوا الْخَيْرَاتِ ۚ

और डर अक के लिये अक जिडत है जिस की तरफ वो मुंड करने वाला है, र्स लिये तुम षेर के कामों में सभकत करो.

أَيْنَ مَا تَكُونُوا يَأْتِ بِكُمْ اللَّهُ جَمِيعًا ۚ إِنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ

तुम जडों भी डोगे, अल्लाह तुम्हें रकड्डा ले आअगा. यकीनन अल्लाह डर थीड पर

شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۱۳۷﴾ وَ مِنْ حَيْثُ خَرَجْتَ فَوَلِّ وَجْهَكَ

कुडरत वाले हैं. और जडों से भी तुम निकलो तो मरिजडे डराम की

شَطْرَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ ۚ وَ إِنَّهُ لَلْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ ۖ

तरफ अपना रुभ कर लो. और यकीनन ये डक है आप के रब की तरफ से.

وَمَا لِلَّهِ بِغَافِلٍ عَمَّا تَعْمَلُونَ ﴿۱۳۸﴾ وَ مِنْ حَيْثُ خَرَجْتَ

और अल्लाह बेखबर नहीं है उन कामों से जो तुम करते डो. और जडों से भी आप निकलें

قَوْلٍ وَجْهَكَ شَطْرَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ وَ حَيْثُ مَا كُنْتُمْ

तो अपना रुब मस्जिद हाराम की तरफ़ डेर लीजिये. और तुम जहां भी हो

فَوَلُّوا وُجُوهَكُمْ شَطْرَهُ ۖ لِئَلَّا يَكُونَ لِلنَّاسِ

तो अपना रुब मस्जिद हाराम की तरफ़ कर लिया करो, ताके उन लोगों के लिये तुम पर

عَلَيْكُمْ حُجَّةٌ ۚ إِلَّا الَّذِينَ ظَلَمُوا مِنْهُمْ ۗ فَلَا تَخْشَوْهُمْ

कोई डुज्जत बाकी न रहे मगर वो लोग जो उन में से आदिम हैं. तो आप उन से न डरें,

وَ اٰخِشُوْنِي ۗ وَ اِلٰتِي نِعْمَتِي عَلَيْكُمْ وَ لَعَلَّكُمْ

बलके मुज से डरें. और इस लिये ताके मैं तुम पर अपनी नेअमत पूरी कर दूं और ताके तुम

تَهْتَدُوْنَ ۝۱۵۰ كَمَا اَرْسَلْنَا فِيْكُمْ رَسُوْلًا مِّنْكُمْ يَتْلُوْا

खिदायतयाइता बन जाओ. जैसा के हम ने तुम में अकरसूल भेजा तुम ही में से जो तुम पर तिलावत

عَلَيْكُمْ اٰيٰتِنَا وَ يٰزِكِّيْكُمْ وَ يُعَلِّمُكُمُ الْكِتٰبَ

करते हैं डमारी आयतें और तुम्हारा तजकिया करते हैं और तुम्हें किताब व खिकमत की तालीम

وَ الْحِكْمَةَ وَ يُعَلِّمُكُمْ مَا لَمْ تَكُوْنُوْا تَعْلَمُوْنَ ۝۱۵۱

दते हैं और तुम्हें सिभाते हैं वो जो तुम जानते नहीं थे. इस लिये

فَاذْكُرُوْنِيْ اَذْكُرْكُمْ وَ اَشْكُرُوْا لِيْ وَلَا تَكْفُرُوْنَ ۝۱۵۲

तुम मुजे याद करो, मैं तुम्हें याद करूंगा, और तुम मेरा शुक्र अदा करो और तुम मेरी नाशुकरी मत करो.

يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا اسْتَعِيْنُوْا بِالصَّبْرِ وَ الصَّلٰوةِ ۗ

ओ धिमान वालो! तुम मदद तलब करो सभ्र और नमाज के जरिये. यकीनन अल्लाड

اِنَّ اللّٰهَ مَعَ الصّٰبِرِيْنَ ۝۱۵۳ وَ لَا تَقُوْلُوْا لِمَنْ يُّقْتَلُ

सभ्र करने वालों के साथ हैं. और तुम उन लोगों के मुतअद्लिक जो अल्लाड के रास्ते में क्तल

فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ اَمْوَاتٌ ۗ بَلْ اَحْيَاءٌ ۗ وَلٰكِنْ لَّا تَشْعُرُوْنَ ۝۱۵۴

किये जाअें, उन्हें मुहें मत कडो. बलके वो जिन्दा हैं, लेकिन तुम्हें उस का अेडसास नहीं.

وَ لَنَبُوْتَكُمْ بِشَيْءٍ مِّنَ الْخَوْفِ وَ الْجُوْعِ وَ نَقْصِ

और हम जरर तुम्हें आजमाअेंगे किसी कहर भौड़ और लुभ और मालों और

مِّنَ الْاَمْوَالِ وَ الْاَنْفُسِ وَ الشَّمْرِ ۗ وَ بَشِّرِ الصّٰبِرِيْنَ ۝۱۵۵

जानों और इलों की कमी के जरिये. और आप भशारत सुना दीजिये उन सभ्र करने वालों को,

الَّذِينَ إِذَا أَصَابَتْهُمْ مُصِيبَةٌ قَالُوا إِنَّا لِلَّهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ

के जब उन मुसीबत पड़ोयती है, तो के डते हैं (उम भी अल्लाह के मखूक

رَجِعُونَ ﴿۵۶﴾ أُولَئِكَ عَلَيْهِمْ صَلَوَاتٌ مِّن رَّبِّهِمْ

हैं और उम उसी की तरफ लौट कर जाने वाले हैं). उन पर उन के रब की तरफ से रडमतें हैं

وَرَحْمَةٌ ۖ وَأُولَئِكَ هُمُ الْمُهْتَدُونَ ﴿۵۷﴾ إِنَّ الصَّافِيَ وَالْمُرْوَةَ

और पुसूसी रडमत है. और यही लोग छिदायतयाइता हैं. यकीनन सफ़ा और मरवा

مِن شَعَائِرِ اللَّهِ ۖ فَمَنْ حَجَّ الْبَيْتَ أَوْ اعْتَمَرَ

अल्लाह के (दीन की) यादगारों में से हैं. फिर जो शप्स भयतुल्लाह का उज करे या उमरा करे तो उस

فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِ أَنْ يَطَّوَّفَ بِهِمَا ۚ وَمَنْ تَطَوَّعَ خَيْرًا ۚ

पर कोई गुनाह नही के वो उन दोनों का तवाइ करे. और जो किसी लमलार्थ को पुशी से करे तो यकीनन

فَإِنَّ اللَّهَ شَاكِرٌ عَلِيمٌ ﴿۵۸﴾ إِنَّ الَّذِينَ يَكْتُمُونَ

अल्लाह कदरदान, जानने वाले हैं. यकीनन जो लोग छुपाते हैं उन वाजेड आयात

مَا أَنْزَلْنَا مِنَ الْبَيِّنَاتِ وَالْهُدَىٰ مِنْ بَعْدِ مَا بَيَّنَّاهُ

को और छिदायत को जिस को उम ने उतारा उस के बाद के उम ने उस को साइ साइ भयान किया किताभ

لِلنَّاسِ فِي الْكِتَابِ أُولَئِكَ يَلْعَنُهُمُ اللَّهُ وَيَلْعَنُهُمُ

में ईन्सानों के लिये, तो उन पर अल्लाह की लानत है और उन पर लानत करने वाले भी लानत

اللَّعُونَ ﴿۵۹﴾ إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا وَاصْلَحُوا وَبَيَّنَّاهُ

करते हैं. मगर वो लोग जिन्हों ने तौबा की और ईस्लाह की और साइ साइ

فَأُولَئِكَ أَتُوبُ عَلَيْهِمْ ۗ وَأَنَا التَّوَّابُ الرَّحِيمُ ﴿۶۰﴾

भयान किया, उन की तौबा में कबूल करूंगा. और मैं तौबा कबूल करने वाला, निदायत रडम वाला हुं.

إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا وَمَاتُوا وَهُمْ كُفَّارًا أُولَئِكَ عَلَيْهِمْ

यकीनन वो लोग जिन्हों ने कुइ किया और वो मर गये ईस डाल में के वो काइर थे, तो उन पर

لَعْنَةُ اللَّهِ وَالْمَلَائِكَةِ وَالنَّاسِ أَجْمَعِينَ ﴿۶۱﴾ خُلِدِينَ

अल्लाह की लानत और इरिशतों और तमाम ईन्सानों की लानत है. वो उस में डमेशा

فِيهَا لَا يُخَفَّفُ عَنْهُمْ الْعَذَابُ وَلَا هُمْ يُنظَرُونَ ﴿۶۲﴾

रहुंगे. उन से अजाभ उल्का नही किया जायेगा और उन को मोडलत नही दी जायेगी.

وَ إِلَهُكُمْ إِلَهُ وَاحِدٌ ۚ لَآ إِلَهَ إِلَّا هُوَ الرَّحْمَنُ

और तुम्हारा माबूद यकता माबूद है. उस के सिवा कोई माबूद नहीं. वो बडा मेहरबान,

الرَّحِيمُ ﴿۱۳۳﴾ إِنَّ فِي خَلْقِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

निहायत रहम वाला है. यकीनन आस्मानों और जमीन के पैदा करने

وَ اخْتِلَافِ اللَّيْلِ وَالنَّهَارِ وَالْفُلْكِ الَّتِي تَجْرِي

और रात और दिन के आने जाने में और उस कश्ती में जो चलती है

فِي الْبَحْرِ بِمَا يَنْفَعُ النَّاسَ وَمَا أَنْزَلَ اللَّهُ

समन्दर में उन चीजों को ले कर जो ईन्सानों को नफा देती हैं और उस पानी में जिस को अल्लाह ने

مِنَ السَّمَاءِ مِنْ مَّاءٍ فَأَحْيَا بِهِ الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا

आस्मान से उतारा, फिर उस के जरिये जमीन को उस के भुश्क डो जाने के बाद जिन्दा किया,

وَبَثَّ فِيهَا مِنْ كُلِّ دَابَّةٍ ۗ وَ تَصْرِيفِ الرِّيْحِ

और हर किस्म के जानवर उस में फैला दिये, और उवाओं के उलट डेर में,

وَالسَّحَابِ الْمُسَخَّرِ بَيْنَ السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ لَآيَاتٍ

और उस बादल में जो मुअद्लक है आस्मान और जमीन के दरमियान, अलबत्ता निशानियां हैं

لِقَوْمٍ يَعْقِلُونَ ﴿۱۳۴﴾ وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَتَّخِذُ

ऐसी कौम के लिये जो अकल रभती है. और कुछ लोग वो हैं जो अल्लाह को छोड कर कई माबूद

مِن دُونِ اللَّهِ أَنْدَادًا يُجْبُونَهُمْ كَحَبِّ اللَّهِ ۗ وَالَّذِينَ آمَنُوا

बनाते हैं, उन से वो मडब्बत करते हैं अल्लाह की मडब्बत की तरह. और जो ईमान वाले हैं

أَشَدُّ حُبًّا لِلَّهِ ۗ وَلَوْ يَرَى الَّذِينَ ظَلَمُوا إِذْ يَرُونَ

वो अल्लाह से जयादा मडब्बत रभने वाले हैं. और काश के ये जालिम सोचते जब वो अजाब

الْعَذَابِ أَنَّ الْقُوَّةَ لِلَّهِ جَمِيعًا ۗ وَأَنَّ اللَّهَ شَدِيدُ

दोभेंगे के कुव्वत सारी की सारी अल्लाह ही के लिये है. और ये के अल्लाह सप्त अजाब देने

الْعَذَابِ ﴿۱۳۵﴾ إِذْ تَبَرَّأَ الَّذِينَ اتَّبَعُوا مِنَ الَّذِينَ اتَّبَعُوا

वाले हैं. जब बराअत करेंगे वो लोग जिन का ईत्तिबा किया गया उन से जिन्हों ने ईत्तिबा किया

وَ رَأَوْا الْعَذَابَ وَ تَقَطَّعَتْ بِهِمُ الْأَسْبَابُ ﴿۱۳۶﴾ وَقَالَ

और वो अजाब दोभेंगे और उन से अस्बाब मुन्कतेअ डो जाअेंगे. और वो लोग कडेंगे

الَّذِينَ اتَّبَعُوا لَوْ أَنَّ لَنَا كَرَّةً فَنَتَبَرَّأَ مِنْهُمْ

જો મુતબેઅ થે કે અગર હમારે લિયે (ઝમીન મે) દોબારા લૌટ કર જાના હો, તો હમ ઉન સે બરાઅત કરેગે

كَمَا تَبَرَّءُوا مِنَّا ۖ كَذَلِكَ يُرِيهِمُ اللَّهُ أَعْمَالَهُمْ حَسَرَاتٍ

જૈસા કે ઉન્હોં ને હમ સે બરાઅત કી. ઈસ તરહ અલ્લાહ ઉન કે આમાલ ઉન પર હસરત બના કર

عَلَيْهِمْ ۖ وَمَا هُمْ بِخَارِجِينَ مِنَ النَّارِ ۗ يَا أَيُّهَا النَّاسُ

દિખાએંગે. ઓર વો દોઝખ સે નિકલને વાલે નહીં હૈં. એ ઈ-સાનો!

كُلُوا مِنَّمَا فِي الْأَرْضِ حَلَالًا طَيِّبًا ۚ وَلَا تَتَّبِعُوا

તુમ ખાઓ ઉન ચીઝોં મેં સે જો ઝમીન મેં હૈં હલાલ પાકીઝા કો. ઓર તુમ શયતાન

خُطُوتِ الشَّيْطَانِ ۖ إِنَّهُ لَكُمْ عَدُوٌّ مُّبِينٌ ۗ

કે કદમ બ કદમ મત ચલો. યકીનન વો તુમહારા ખુલા દુશ્મન હે.

إِنَّمَا يَأْمُرُكُمْ بِالسُّوءِ وَالْفَحْشَاءِ وَأَنْ تَقُولُوا

વો તો સિફ તુમહે બુરાઈ ઓર બેહયાઈ કા હુકમ દેતા હે ઓર ઈસ કા કે તુમ અલ્લાહ પર

عَلَى اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ۗ وَإِذَا قِيلَ لَهُمُ اتَّبِعُوا

કહો વો જો તુમ જાનતે નહીં હો. ઓર જબ ઉન સે કહા જાતા હે કે તુમ ઉસ કે પીછે ચલો

مَا أَنْزَلَ اللَّهُ قَالُوا بَلْ نَتَّبِعُ مَا أَلْفَيْنَا عَلَيْهِ

જિસ કો અલ્લાહ ને ઉતારા તો વો કેહતે હૈં બલકે હમ તો ઉસ કે પીછે ચલેંગે જિસ પર હમ ને અપને

آبَاءَنَا ۖ أَوْ لَوْ كَانَ آبَاؤُهُمْ لَا يَعْقلُونَ شَيْئًا

બાપ દાદા કો પાયા. કયા અગરચે ઉન કે બાપ દાદા કુછ ભી અકલ નહીં રખતે થે

وَلَا يَهْتَدُونَ ۗ وَمَثَلُ الَّذِينَ كَفَرُوا كَمَثَلِ الَّذِي

ઓર હિદાયતયાફતા નહીં થે? ઓર કાફિરોં કા હાલ ઉસ શખ્સ કે હાલ કી તરહ હે જો

يَنعُقُ بِمَاءٍ لَا يَسْمَعُ إِلَّا دُعَاءً وَنِدَاءً ۖ صُمٌّ

આવાઝ દેતા હે એસી ચીઝ કો જો સુન નહીં સકતી સિવાએ બુલાને ઓર પુકારને કે. વો બેહરે હૈં,

بُكْمٌ عُمًى فَهُمْ لَا يَعْقلُونَ ۗ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

ગૂંગે હૈં, અંધે હૈં, ફિર વો અકલ ભી નહીં રખતે. એ ઈમાન વાલો!

آمَنُوا كُلُوا مِن طَيِّبَاتِ مَا رَزَقْنَاكُمْ وَاشْكُرُوا

તુમ ખાઓ ઉન ઉમદા ચીઝોં મેં સે જો હમ ને તુમહે દી હૈં ઓર તુમ અલ્લાહ કે

لِلَّهِ إِنَّ كُنْتُمْ إِيَّاهُ تَعْبُدُونَ ﴿۱۴۱﴾ إِنَّمَا حَرَّمَ عَلَيْكُمْ

शुक्रगुजार रडो अगर तुम उसी की ईबादत करते डो. अद्लाड ने तो तुम पर डराम किया डे

الْمَيْتَةَ وَالِدَّمَ وَالْحَمَّ الْخِنْزِيرِ وَمَا أَهْلَ بِهِ لِغَيْرِ

मुँडर और भून और भिन्डीर क गोशत और वो जानवर जिस पर गयरुद्लाड क नाम लिया गया डो. फिर जो

اللَّهُ ۚ فَمَنْ اضْطُرَّ عَلَيْهِ بَاعٍ وَلَا عَادٍ فَلَا إِثْمَ

शम्स मजभूर डो जाअे डस डाल मे के वो लज्जत को तलभ करने वाला न डो और जान भयाने की भिकदार से

عَلَيْهِ ۖ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۱۴۲﴾ إِنَّ الَّذِينَ يَكْتُمُونَ

ज्यादा जाने वाला न डो, तो उस पर कोड गुनाड नडी डे. यकीनन अद्लाड भश्शने वाले, निडायत रडम वाले डे.

مَا أَنْزَلَ اللَّهُ مِنَ الْكِتَابِ وَيَشْتَرُونَ بِهِ ثَمَنًا

यकीनन जो लोग छुपाते डे उस किताब को जो अद्लाड ने उतारी और उस के भदले मे थोडी सी कीमत लेते

قَلِيلًا ۚ أُولَٰئِكَ مَا يَأْكُلُونَ فِي بُطُونِهِمْ إِلَّا النَّارَ

डे, तो ये लोग अपने पेट मे आग के सिवा नडी भर रडे डे.

وَلَا يُكَلِّمُهُمُ اللَّهُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ وَلَا يُزَكِّيهِمْ ۗ

और अद्लाड उन से कलाम नडी करेगा कयामत के दिन और उन क तजकिया नडी करेगा.

وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۱۴۳﴾ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ اشْتَرُوا الضَّلَاةَ

और उन के लिये ददनक अजाभ डोगा. यडी लोग डे जिन्डो ने डिदायत के भदले जलालत

بِالْهُدَىٰ وَالْعَذَابَ بِالْمَعْفُورَةِ ۗ فَمَا أَصْبَرَهُمْ

भरीडी और भगडिरत के भदले अजाभ भरीडा. फिर वो आग पर कितना सभ्र

عَلَى النَّارِ ﴿۱۴۴﴾ ذَلِكَ بِأَنَّ اللَّهَ نَزَّلَ الْكِتَابَ بِالْحَقِّ

करने वाले डे? ये डस वजड से के अद्लाड ने किताब डक के साथ उतारी. और यकीनन

وَأَنَّ الَّذِينَ اخْتَلَفُوا فِي الْكِتَابِ لِعَنَىٰ شِقَاقٍ بَعِيدٍ ﴿۱۴۵﴾

जो लोग किताब मे डभितलाड कर रडे डे, अलभता वो दूर की मुभालडत (लम्भे जघडे) मे डे.

لَيْسَ الْبِرُّ أَنْ تُولُّوا وُجُوهَكُمْ قِبَلَ الْمَشْرِقِ

नेकी सिई ये नडी डे के तुम अपना रुभ डेर लो मशरिक की तरड

وَالْمَغْرِبِ وَلَكِنَّ الْبِرَّ مَنْ آمَنَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ

और भगरिभ की तरड, लेकिन नेक वो शम्स डे जो डमान रभे अद्लाड पर और आभिरी दिन

وَالْمَالِكَةِ وَالْكِتَابِ وَالتَّيِّبِينَ وَآتَى الْمَالَ

और इरिशतों और किताबों और अम्बिया पर. और माल दे

عَلَىٰ حُبِّهِ ذَوِي الْقُرْبَىٰ وَالْيَتَامَىٰ وَالْمَسْكِينِ وَابْنِ

माल की मडुबत के भावजूद रिश्तेदारों को और यतीमों और भिस्कीनों

السَّبِيلِ ۚ وَالسَّائِلِينَ وَفِي الرِّقَابِ ۗ وَأَقَامَ الصَّلَاةَ

और मुसाफ़िरो को और सवाल करने वालों को और गर्दनो के छुडाने में, और नमाज काईम करे

وَآتَى الزَّكَاةَ ۗ وَالْمُوفُونَ بِعَهْدِهِمْ إِذَا عَاهَدُوا ۗ

और जकात दे, और जो अपना अडद पूरा करने वाले हैं जब वो अडद करें,

وَالصَّابِرِينَ فِي الْبَأْسَاءِ وَالضَّرَّاءِ وَحِينَ الْبَأْسِ ۗ

और जो सध्र करने वाले हैं सप्ती और तकलीफ़ में और लडाई के वकत.

أُولَٰئِكَ الَّذِينَ صَدَقُوا ۗ وَأُولَٰئِكَ هُمُ الْمُتَّقُونَ ﴿۱۴۴﴾

यही लोग सत्ये हैं, और यही लोग मुत्त की हैं.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا كُتِبَ عَلَيْكُمُ الْقِصَاصُ

ओ ईमान वालो! तुम पर किसास इर्ज़ किया गया मकतूलिन के बारे में के आजाद

فِي الْقَتْلِ ۗ أَلْحَرُّ بِأَلْحَرٍّ وَالعَبْدُ بِالْعَبْدِ وَالأُنثَىٰ

कतल किया जाओ आजाद के भदले और गुलाम कतल किया जाओ गुलाम के भदले और औरत कतल की जाओ

بِالأُنثَىٰ ۗ فَمَنْ عَفِيَ لَهٗ مِنْ أَخِيهِ شَيْءٌ فَاتَّبَاعُ ۗ

औरत के भदले. इर जिस शप्स को उस के भाई की तरफ़ से माफ़ी डो जाओ, तो मअकूल तरीके पर

بِالمَعْرُوفِ وَأَدَاءٌ إِلَيْهِ بِإِحْسَانٍ ۗ ذَٰلِكَ تَخْفِيفٌ

मुतालबा करना है और उस की तरफ़ ललाई के साथ अदा कर देना है. ये तुम्हारे रभ की तरफ़ से

مَنْ ذَرَبَكُمْ وَرَحْمَةٌ ۗ فَمَنْ أَعْتَدَىٰ بَعْدَ ذَٰلِكَ

आसानी है और रडमत है. लेकिन उस के बाद जो जयादती करेगा

فَلَهُ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۱۴۵﴾ وَلَكُمْ فِي الْقِصَاصِ حَيَوةٌ

तो उस के लिये दहनाक अजाब है. और तुम्हारे लिये ओ अकल वालो! किसास में

يَأُولِي الْأَلْبَابِ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ﴿۱۴۶﴾ كُتِبَ عَلَيْكُمْ إِذَا

जिन्हगी है ताके तुम (कतल करने से) परडेज करो. तुम पर इर्ज़ किया गया जब

حَضَرَ أَحَدَكُمُ الْمَوْتُ إِنْ تَرَكَ خَيْرًا ۖ الْوَصِيَّةُ

تुम में से किसी अेक की मौत का वकत करीब आ जाअे अगर उस ने माल छोडा डो, (तो इर्र किया गया)

لِلْوَالِدَيْنِ وَالْأَقْرَبِينَ بِالْمَعْرُوفِ ۗ حَقًّا

वसीयत करना वालिदैन और रिशतेदारों के लिये मअकूल तरीके पर. ये मुत्तकियों पर

عَلَى الْمَتَّقِينَ ۗ فَمَنْ بَدَّلَهُ بَعْدَ مَا سَمِعَهُ فَإِنَّمَا

लाजिम डे. इर्र उस को जो बदल डेगा उस को सुनने के बाद तो

إِثْمُهُ عَلَى الَّذِينَ يُبَدِّلُونَهُ ۗ إِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝

उस का गुनाड सिई उन लोगों पर डे जो उस को बदलेंगे. यकीनन अड्लाड सुन्ने वाले, डल्म वाले डैं.

فَمَنْ خَافَ مِنْ مَوْصٍ بَخْفًا أَوْ إِثْمًا فَاصْلَحْ

इर्र जो वसीयत करने वाले की तरई से भोई करे अेक तरई माईल छोने का या गुनाड का, इर्र वो उन के डरमियान

بَيْنَهُمْ فَلَا إِثْمَ عَلَيْهِ ۗ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝

सुलड करा डे तो उस पर कोई गुनाड नडी डे. यकीनन अड्लाड भश्शने वाले, निडायत रडम वाले डैं.

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا كُتِبَ عَلَيْكُمُ الصِّيَامُ

अे डमान वालो! तुम पर रोजे इर्र किये गये

كَمَا كُتِبَ عَلَى الَّذِينَ مِنْ قَبْلِكُمْ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ۝

जैसा के उन लोगों पर इर्र किये गअे जो तुम से पेडले थे, ताके तुम मत्तकी बनो.

أَيَّامًا مَعْدُودَاتٍ ۗ فَمَنْ كَانَ مِنْكُمْ مَرِيضًا

यंह गिने युने डिनो के (रोजे इर्र किये गअे). इर्र तुम में से जो भीमार डो

أَوْ عَلَى سَفَرٍ فَعِدَّةٌ مِّنْ أَيَّامٍ أُخَرَ ۗ وَعَلَى الَّذِينَ

या सडर पर डो तो डूसरे डिनों से तअदाड को पूरा करना डे. और उन लोगों पर जो रोजे की

يُطِيقُونَ فِدْيَةٌ طَعَامُ مَسْكِينٍ ۗ فَمَنْ تَطَوَّعَ خَيْرًا

ताकत रभते डैं, अेक मिसकीन का भाना इिडया डेना डे (ये डुकम म-सूभ डे). इर्र जो भुशी से नेकी करे

فَهُوَ خَيْرٌ لَهُ ۗ وَأَنْ تَصُومُوا خَيْرٌ لَّكُمْ إِنْ كُنْتُمْ

तो वो उस के लिये भेडतर डे. और ये के तुम रोजा रभो ये तुम्हारे लिये भेडतर डे अगर तुम

تَعْلَمُونَ ۝ شَهْرُ رَمَضَانَ الَّذِي أُنزِلَ فِيهِ الْقُرْآنُ

जानते डो. रमजान का मडीना वो मडीना डे जिस में डुरआन उतारा गया, जो ड-सानों के लिये

هُدًى لِّلنَّاسِ وَ بَيِّنَاتٍ مِّنَ الْهُدَىٰ وَ الْفُرْقَانِ ؕ

छिदायत है और छिदायत की साफ़ साफ़ आयात और उक और बातिल के दरमियान फ़ैसला करने वाली साफ़ साफ़

فَمَنْ شَهِدَ مِنْكُمُ الشَّهْرَ فَلْيَصُمْهُ ۖ وَمَنْ كَانَ

आयतें हैं. फिर तुम में से जो ये महीना पाए तो उस को यादिये के उस के रोजे रभे. और जो भीमार

مَرِيضًا أَوْ عَلَىٰ سَفَرٍ فَعِدَّةٌ مِّنْ أَيَّامٍ أُخَرَ ۗ يُرِيدُ

छो या सफ़र पर छो तो दूसरे दिनो से तादाद को पूरा करना है. अल्लाह तुम्हारे साथ

اللَّهُ بِكُمْ الْيُسْرَ وَلَا يُرِيدُ بِكُمُ الْعُسْرَ ۖ وَلِتُكْمِلُوا

आसानी का धरादा इरमाते हैं और अल्लाह तुम्हारे साथ तंगी का धरादा नहीं इरमाते. और इस लिये ताके

الْعِدَّةَ ۖ وَلِتُكْمِلُوا اللَّهَ عَلَىٰ مَا هَدَىٰكُمْ ۖ وَلَعَلَّكُمْ

तुम तादाद को पूरा करो और ताके तुम अल्लाह की बजाई बयान करो उस पर के अल्लाह ने तुम्हें छिदायत दी और

تَشْكُرُونَ ﴿١٨٥﴾ وَإِذَا سَأَلَكَ عِبَادِي عَنِّي فَإِنِّي قَرِيبٌ ۖ

ताके तुम शुक्रगुजार बनो. और जब आप से मेरे बन्दे सवाल करें मेरे मुतअदिलक, तो मैं करीब ही हूँ.

أُجِيبُ دَعْوَةَ الدَّاعِ إِذَا دَعَانِ ۖ فَلْيَسْتَجِيبُوا لِي

मैं पुकारने वाले की पुकार कबूल करता हूँ जब वो मुझे पुकारता है. इस लिये उनहें यादिये के वो मेरे हुकम को

وَ لِيُؤْمِنُوا بِئِي لَعَلَّهُمْ يَرْشُدُونَ ﴿١٨٦﴾ أَجَلَ لَكُمْ

कबूल करें और मुज पर ही धिमान लायें ताके वो राह पायें. तुम्हारे लिये अपनी

لَيْلَةَ الصِّيَامِ الرَّفَثِ إِلَىٰ نِسَائِكُمْ ۗ هُنَّ لِبَاسٌ

भीवियों से जिमाअ रोजों की रात में उलाल किया गया. वो तुम्हारा लिबास हैं

لَكُمْ ۖ وَأَنْتُمْ لِبَاسٌ لَّهُنَّ ۗ عَلِمَ اللَّهُ أَنَّكُمْ كُنْتُمْ

और तुम उन का लिबास हो. अल्लाह जानते हैं के तुम अपने नइसों से भयानत

تَخْتَانُونَ أَنفُسَكُمْ فَتَابَ عَلَيْكُمْ وَعَفَا عَنْكُمْ ۗ

करते थे, इस लिये अल्लाह ने तुम्हारी तौबा कबूल इरमाई और तुम्हें माफ़ कर दिया.

فَالَّذِينَ بَاشَرُوهُنَّ وَابْتَغُوا مَا كَتَبَ اللَّهُ لَكُمْ ۖ

इस लिये अब तुम उन से मुभाशरत करो और तुम तलब करो वो (औलाद) जो अल्लाह ने तुम्हारे लिये

وَ كُلُوا وَاشْرَبُوا حَتَّىٰ يَتَبَيَّنَ لَكُمُ الْخَيْطُ الْأَبْيَضُ

लिख दी है. और तुम जाओ और पियो यहाँ तक के तुम्हारे लिये सफ़ेद धागा

مِنَ الْخَيْطِ الْأَسْوَدِ مِنَ الْفَجْرِ ثُمَّ أَتَبُوا الصِّيَامَ

सियाह धागे से सुबह (सादिक) अलग नजर आ जाये. फिर रात तक रोजों को

إِلَى اللَّيْلِ وَلَا تَبَاشِرُوهُنَّ وَأَنْتُمْ عَاكِفُونَ

पूरा करो. और तुम उन से जिमाअ मत करो इस डाल में के तुम मस्जिदों में

فِي الْمَسْجِدِ تِلْكَ حُدُودُ اللَّهِ فَلَا تَقْرُبُوهَا ۖ كَذَلِكَ

भोअतकिङ्क डों. ये अल्लाह की हुदूह हैं, तुम उन के करीब ली मत जाओ. इसी तरह अल्लाह

يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمُ الْآيَاتِ لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ ﴿۱۸۸﴾ وَلَا تَاكُلُوا

अपनी आयतें भोल भोल कर भयान करते हैं लोगों के लिये ताके वो भुत्तकी बनें. और अपने माल आपस में

أَمْوَالَكُمْ بَيْنَكُمْ بِالْبَاطِلِ وَتُدْلُوا بِهَا إِلَى الْحُكَّامِ

बातिल तरीके से मत पाओ और तुम उन को हुक्काम तक मत ले जाओ

لِتَأْكُلُوا فَرِيقًا مِّنْ أَمْوَالِ النَّاسِ بِالْإِثْمِ وَأَنْتُمْ

ताके तुम लोगों के मालों का अेक हिस्सा गुनाह के जरिये पा जाओ, इस डाल में के तुम

تَعْلَمُونَ ۖ يَسْأَلُونَكَ عَنِ الْأَهْلِ ۖ قُلْ هِيَ

जानते डो. ये लोग आप से यांइों के मुअतदलिक सवाल करते हैं. आप इरमा दीजिये के यांइ

مَوَاقِيْتُ لِلنَّاسِ وَالْحَجِّ ۖ وَ لَيْسَ الْبِرُّ بِأَنْ تَأْتُوا

ईन्सानों के लिये औक़ात मादूम करने और उज का वक़्त मादूम करने का जरिया है. और नेकी ये नही है के

الْبُيُوتِ مِنْ ظُهُورِهَا وَلَكِنَّ الْبِرَّ مِنَ اتَّقَى ۖ وَأْتُوا

तुम घरों में आओ उन की पुश्त की जानिब से, लेकिन नेक वो शम्स है जो अल्लाह से डरे. और

الْبُيُوتِ مِنْ أَبْوَابِهَا ۖ وَاتَّقُوا اللَّهَ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ ﴿۱۸۹﴾

घरों में उन के दरवाजों से आओ. और अल्लाह से डरो ताके तुम इलाह पाओ.

وَ قَاتِلُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ الَّذِينَ يُقَاتِلُونَكُمْ

और अल्लाह के रास्ते में क़िताल करो उन लोगों से जो तुम से क़िताल करें

وَلَا تَعْتَدُوا ۗ إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ الْمُعْتَدِينَ ﴿۱۹۰﴾ وَاقْتُلُوهُمْ

और तुम ज़यादती मत करो. यकीनन अल्लाह ज़यादती करने वालों से मडुबत नही करते. और उन को

حَيْثُ تَقْتُلُوهُمْ وَ أَخْرِجُوهُمْ مِّنْ حَيْثُ أَخْرَجَكُمْ

क़त्ल करो जहां उन को पाओ और उन को निकालो जहां से उनडों ने तुम्हें निकाला

وَالْفِتْنَةُ أَشَدُّ مِنَ الْقَتْلِ ۗ وَلَا تُقَاتِلُوهُمْ

और इतिहास ये कत्ल से भी ज्यादा सभ्य थी है. और उन से कितना मत करो मस्जिद उराम के पास

عِنْدَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ حَتَّى يُقَاتِلُوكُمْ فِيهِ ۗ فَإِنْ قَاتَلُوكُمْ

जब तक के वो तुम से मस्जिद उराम में कितना न करें. फिर अगर वो तुम से कितना करें तो तुम

فَاقْتُلُوهُمْ ۗ كَذَلِكَ جَزَاءُ الْكٰفِرِينَ ۗ فَإِنْ اٰتٰهُوْا

उन को कत्ल कर दो. इसी तरह काफ़िरों की सजा है. फिर अगर वो भाग आ जायें तो यकीनन

فَإِنَّ اللّٰهَ غَفُوْرٌ رَّحِيْمٌ ۗ وَ قَاتِلُوهُمْ حَتَّى لَا تَكُوْنَ

अवलाह बख्शने वाले, निहायत रहम वाले हैं. और उन से कितना करो यहां तक के इतिहास बाकी

فِتْنَةٌ ۗ وَ يَكُوْنُ الدِّيْنُ لِلّٰهِ ۗ فَإِنْ اٰتٰهُوْا

न रहे और दीन अवलाह ही का हो जाये. फिर अगर वो भाग आ जायें तो

فَلَا عُدُوَانَ اِلَّا عَلَى الظّٰلِمِيْنَ ۗ الشّٰهْرُ الْحَرَامُ بِالشّٰهْرِ

सिवाये जालिमों के किसी पर ज्यादाती नहीं है. ये दुरमत वाला महीना उस दुरमत वाले महीने के बदले

الْحَرَامِ وَالْحُرْمَتُ قِصَاصٌ ۗ فَمِنْ اَعْتٰدٰى عَلَيْكُمُ

में है, और दूसरी मुहततम थीजों का भी बदला है. फिर जो तुम पर ज्यादाती करे

فَاعْتٰدُوْا عَلَيْهِ بِمِثْلِ مَا اَعْتٰدٰى عَلَيْكُمْ ۗ

तो तुम उस पर ज्यादाती करो उसी जैसी जो उस ने तुम पर ज्यादाती की है.

وَ اتَّقُوا اللّٰهَ وَ اعْلَمُوْا اَنَّ اللّٰهَ مَعَ الْمُتَّقِيْنَ ۗ

और अवलाह से डरो और जान लो के अवलाह मुत्तकियों के साथ है.

وَ اَنْفِقُوْا فِيْ سَبِيْلِ اللّٰهِ وَلَا تُلْقُوْا بِاَيْدِيْكُمْ

और अवलाह के रास्ते में खर्च करो और कुछ अपने को उलाकत में

اِلَى التّٰهْلُكَةِ ۗ وَ اَحْسِنُوْا ۗ اِنَّ اللّٰهَ يُحِبُّ الْبٰحْسِنِيْنَ ۗ

मत डालो. और तुम नेकी करो. यकीनन अवलाह नेकी करने वालों से मउब्बत इरमाते हैं.

وَ اَتِمُّوْا الْحَجَّ وَالْعُمْرَةَ لِلّٰهِ ۗ فَإِنْ اٰحْصَرْتُمْ

और उज और उमरा अवलाह के लिये पूरा करो. फिर अगर तुमहें घेर लिया जाये तो

فَمَا اسْتَيْسَرَ مِنَ الْهَدْيِ ۗ وَلَا تَحْلِقُوْا رُءُوْسَكُمْ حَتَّىٰ

जो उही मुयस्सर हो (वो हो). और अपने सरो को मत मुंडाओ यहां तक के

يَبْلُغُ الْهَدْيُ مَحَلَّهُ ۖ فَمَنْ كَانَ مِنْكُمْ مَرِيضًا

उद्दी अपने उदलल डोने की जगल पडोंय जलअ. क्कलर जो तुम में से डीडलर डो

أَوْ بِإِذَىٰ مِنْ رَأْسِهِ فَفِدْيَةٌ مِّنْ صِيَامٍ

यल उस के सर में तकलीक डो तो रोजों से यल सदके से यल जलनवर ञडड कर के

أَوْ صَدَقَةٍ أَوْ نُسُكٍ ۖ فَإِذَا أُمِنْتُمْ ۖ فَمَنْ تَمَتَّعَ بِالْعُمْرَةِ

कुकुदयल देनल डे. क्कलर जब तुम डलडून डो जलओ, तो क्कलर जो शडस डज के सलथ उडरे को

إِلَى الْحَجِّ فَلَا اسْتَيْسَرَ مِنَ الْهَدْيِ ۖ فَمَنْ

डललल कर कलडदल उडलअ, तो जो उद्दी डुडरसर डो (वो दे). क्कलर जो शडस

لَمْ يَجِدْ فَصِيَامُ ثَلَاثَةِ أَيَّامٍ فِي الْحَجِّ وَ سَبْعَةٍ

उद्दी न डलअ तो तीन दीन के रोजे रडने डें डज में ओर सलत रोजे रडने डें

إِذَا رَجَعْتُمْ ۖ تِلْكَ عَشْرَةٌ كَامِلَةٌ ۖ ذَلِكَ لِمَنْ لَّمْ يَكُنْ

जड तुम वलडस डौटो (जड तुम कलरलरग डो जलओ). ये डूरे दस दलन डें. ये उस शडस के वलये डे

أَهْلُهُ حَاضِرِي الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ وَ اتَّقُوا اللَّهَ

जलस के घर वलले डरलकडे डरलड के डलस डौडूद न डो. ओर अदललड से डरो

وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ ۗ الْحَجُّ أَشْهُرٌ

ओर जलन डो के डकीनन अदललड सडत सजल देने वलले डें. डज के डडीने

مَعْلُومَةٌ ۖ فَمَنْ فَرَضَ فِيهِنَّ الْحَجَّ فَلَا رَفَثَ

डलडूम डें. क्कलर जो उन में डज कलर कर ले तो क्कलर न जलडलअ डर उडलरने वलडी गुकतगू ओर न

وَلَا فُسُوقَ ۚ وَلَا جِدَالَ فِي الْحَجِّ ۖ وَمَا تَفَعَّلُوا

गुनलड की डलत करनी डे ओर न डज में जडडल करनल डे. ओर जो डलललई तुम

مِنْ خَيْرٍ يَّعْلَمُهُ اللَّهُ ۖ وَ تَرَوُدُوا فَإِنَّ خَيْرَ الزَّادِ التَّقْوَىٰ

करो तो अदललड उसे जलनते डें. ओर तोशल तैयलर कर डो, क्कलर डेशक डेडतरलन तोशल तकवल डे.

وَ اتَّقُوا يَا أُولِي الْأَلْبَابِ ۗ لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ

ओर डुज से डरो, अे अकल वललो! तुम डर कोई गुनलड नडी डे

أَنْ تَبْتَغُوا فَضْلًا مِّن رَّبِّكُمْ ۖ فَإِذَا أَفْضْتُمْ

के तुम अपने रड कल कलल तलड करो. क्कलर जब अरकलत

۲۷

وَقَدْ أَتَىٰ النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

مَنْ عَرَفَتْ فَادْكُرُوا اللَّهَ عِنْدَ الْمَشْعَرِ الْحَرَامِ

से वापस लौटो तो अल्लाह को मशअरे उराम के पास (मुजदलिफ़ा में) याद करो.

وَادْكُرُوهُ كَمَا هَدَيْتُمْ وَإِنْ كُنْتُمْ مِنْ قَبْلِهِ

और अल्लाह को याद करो जैसा के उस ने तुम्हें उदियात दी. और यकीनन तुम इस से पहले

لِبِنِ الصَّالِيْنَ ۝ ثُمَّ أَفِيضُوا مِنْ حَيْثُ أَفَاضَ النَّاسُ

अलबता गुमराहों में से थे. फिर तुम लौटो जहां से सब लोग वापस लौटते हैं

وَاسْتَغْفِرُوا اللَّهَ ۖ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝

और अल्लाह से मगफ़िरत तलाब करो. यकीनन अल्लाह बप्शने वाले, निहायत रहम वाले हैं.

فَإِذَا قَضَيْتُمْ مَنَاسِكَكُمْ فَاذْكُرُوا اللَّهَ كَذِكْرِكُمْ

फ़िर जब तुम अपने उज के अरकान पूरे कर युको, तो अल्लाह को याद करो अपने याद करने की तरह

أَبَاءَكُمْ أَوْ أَشَدَّ ذِكْرًا ۖ فَمِنَ النَّاسِ مَنْ

अपने भाप दादा को या उस से भी जयादा याद करो. फिर कुछ लोग वो हैं जो

يَقُولُ رَبَّنَا إِنَّا فِي الدُّنْيَا وَمَا لَهُ فِي الْآخِرَةِ

युं केहते हैं के अे उमारे रब! तू उमें दुन्या ही में हे हे और उन के लिये आभिरत में

مِنْ خَلْقٍ ۝ وَ مِنْهُمْ مَنْ يَقُولُ رَبَّنَا إِنَّا

कोई छिस्सा नही है. और उन में से कुछ लोग वो हैं जो युं केहते हैं के अे उमारे रब! तू उमें

فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَفِي الْآخِرَةِ حَسَنَةٌ وَقِنَا عَذَابَ

दुन्या में भी भलाई अता इरमा और आभिरत में भी भलाई अता इरमा और तू उमें दोऊभ के अऊभ से

النَّارِ ۝ أُولَئِكَ لَهُمْ نَصِيبٌ مِّمَّا كَسَبُوا ۖ

भया ले. यही लोग हैं जिन के लिये उन के किये का छिस्सा है.

وَاللَّهُ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۝ وَادْكُرُوا اللَّهَ فِي أَيَّامٍ

और अल्लाह जल्द छिसाब लेने वाले हैं. और अल्लाह को यंद गिने युने दिनों में

مَعْدُودَاتٍ ۖ فَمَنْ تَعَجَّلَ فِي يَوْمَيْنِ فَلَا إِشْمَ

याद करो. फिर जो दो दिन में जल्दी (मक्का) वापस आ जाअे तो उस पर कोई गुनाह

عَلَيْهِ ۖ وَمَنْ تَأَخَّرَ فَلَا إِشْمَ عَلَيْهِ ۖ لَبِنِ اتَّقَى ۖ

नही है. और जो उस के भाद भी रहे तो उस पर भी कोई गुनाह नही है, ये उन के लिये है जो मुत्तकी हैं.

وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّكُمْ إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ ﴿٢٣﴾

और अल्लाह से डरो और जान लो के तुम उस की तरफ़ एकट्टे किये जाओगे.

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يُعْجِبُكَ قَوْلُهُ فِي الْحَيَاةِ

और लोगों में ऐसा शप्स भी है के जिस का कलाम आप को अच्छा लगता है हुन्यवी जिनदगी के

الدُّنْيَا وَيُشْهَدُ اللَّهُ عَلَىٰ مَا فِي قَلْبِهِ ۗ وَهُوَ أَلَدُّ

भारे में और वो अल्लाह को गवाह बनाता है उस पर जो उस के दिल में है, डालांके वो सप्त

الْخِصَامِ ﴿٢٤﴾ وَإِذَا تَوَلَّىٰ سَعَىٰ فِي الْأَرْضِ لِيُفْسِدَ

जघडाळू है. और जब वो वापस लौटता है तो जमीन में कोशिश करता है ताके उस में इसाद

فِيهَا وَيُهْلِكُ الْحَرْثَ وَالنَّسْلَ ۗ وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ

ईलाअे और वो भेती और जानवरों को बरबाद करता है. और अल्लाह को इसाद पसन्द

الْفَسَادَ ﴿٢٥﴾ وَإِذَا قِيلَ لَهُ اتَّقِ اللَّهَ أَخَذَتْهُ الْعِزَّةُ

नडी. और जब उस से कहा जाता है के अल्लाह से डर तो उसे बडाई

بِالْإِثْمِ فَحَسْبُهُ جَهَنَّمُ ۗ وَلَبِئْسَ الْهَادِ

गुनाह पर उभारती है, फिर उस के लिये जहन्नम काडी है. और वो भुरा ठिकाना है.

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَشْرِي نَفْسَهُ ابْتِغَاءَ مَرْضَاتِ اللَّهِ ۗ

और कुछ लोग वो हैं जो अल्लाह की रजा की तलब में अपनी जान दे देते हैं.

وَاللَّهُ رَءُوفٌ بِالْعِبَادِ ﴿٢٦﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا ادْخُلُوا

और अल्लाह बन्दों पर मेहरबान है. अे ईमान वालो! तुम ईस्लाम

فِي السَّلَامِ كَافَّةً ۗ وَلَا تَتَّبِعُوا خُطُوَاتِ الشَّيْطَانِ ۗ

में पूरे पूरे दाबिल हो जाओ. और तुम शयतान के कदम ब कदम मत यलो.

إِنَّهُ لَكُمْ عَدُوٌّ مُّبِينٌ ﴿٢٧﴾ فَإِن زَلَلْتُمْ مِّنْ بَعْدِ

यकीनन वो तुम्हारा भुला हुश्मन है. फिर अगर तुम किसल जाओ उस के बाद के

مَا جَاءَتْكُمْ الْبَيِّنَاتُ فَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿٢٨﴾

तुम्हारे पास वाजेह आयतें आ चुकी तो जान लो के अल्लाह जबरदस्त है, छिकमत वाला है.

هَلْ يَنْظُرُونَ إِلَّا أَنْ يَأْتِيَهُمُ اللَّهُ فِي ظُلَلٍ مِّن

वो मुन्तजिर नडी हैं मगर इस बात के के उन के पास अल्लाह आ जाअे बादलों के सायेबानों में

الْغَمَامِ وَالْمَلِكَةِ وَ قَضِيَ الْأَمْرُ وَإِلَى اللَّهِ

और इरिश्ते आ जाओ और मुआमला खत्म कर दिया जाओ. और अल्लाह ही की तरफ़

تُرْجَعُ الْأُمُورُ ۖ سَلُّ بَنِي إِسْرَائِيلَ كَمَا آتَيْنَهُمْ

तमाम उमूर लौटाओ जाओगे. आप बनी इस्राईल से सवाल कीजिये के उम ने उन्हें कितनी

مِنْ آيَةٍ بَيِّنَةٍ ۖ وَ مَنْ يُبَدِّلْ نِعْمَةَ اللَّهِ

रोशन निशानियां अता की. और जो अल्लाह की नेअमत को बदलेगा उस के

مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَتْهُ فَإِنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ ۝

बाद के वो उस के पास आँ तो यकीनन अल्लाह सप्त सजा देने वाले हैं.

زُيِّنَ لِلَّذِينَ كَفَرُوا الْحَيَاةَ الدُّنْيَا وَيَسْخَرُونَ

काइरों के लिये दु-खवी जिन्दगी मुअय्यन की गँ और वो इमान

مِنَ الَّذِينَ آمَنُوا وَالَّذِينَ اتَّقَوْا فَوْقَهُمْ يَوْمَ

वालों से मऊक करते हैं. और जो मुत्तकी हैं वो कयामत के दिन उन के उपर

الْقِيَامَةِ ۖ وَاللَّهُ يَرْزُقُ مَنْ يَشَاءُ بِغَيْرِ حِسَابٍ ۝

रहेंगे. और अल्लाह बेहिसाब रोजी देते हैं जिसे चाहते हैं.

كَانَ النَّاسُ أُمَّةً وَاحِدَةً ۖ فَبَعَثَ اللَّهُ النَّبِيِّنَ

तमाम इ-सान अक ही उम्मत थे. फिर अल्लाह ने अम्बिया भेजे

مُبَشِّرِينَ وَ مُنذِرِينَ ۖ وَأَنْزَلَ مَعَهُمُ الْكِتَابَ

भशारत देने वाले और डराने वाले. और उन के साथ किताब उतारी

بِالْحَقِّ لِيَحْكُمَ بَيْنَ النَّاسِ فِي مَا اخْتَلَفُوا فِيهِ ۖ

उक के साथ ताके वो इ-सानों के दरमियान कैसेला करे जिस में वो इफ्तिलाफ़ कर रहे हैं.

وَمَا اخْتَلَفَ فِيهِ إِلَّا الَّذِينَ أُوتُوهُ مِنْ بَعْدِ

और उस में इफ्तिलाफ़ नही किया मगर उन लोगों ने जिन को किताब दी गँ थी इस के बाद के

مَا جَاءَتْهُمْ الْبَيِّنَاتُ بَغْيًا ۖ بَيْنَهُمْ ۖ فَهَدَى اللَّهُ

उन के पास रोशन मोअजिजात आओ, आपस की जिद की वजह से. फिर अल्लाह ने अपने

الَّذِينَ آمَنُوا لَهَا اخْتَلَفُوا فِيهِ مِنَ الْحَقِّ بِأُذُنِهِ ۖ

हुकम से उदयात दी इमान वालों को उस उक की जिस में वो इफ्तिलाफ़ कर रहे थे.

وَاللَّهُ يَهْدِي مَنْ يَشَاءُ إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ﴿۱۲۲﴾

اور اذلااد سیدہ راستہ کی तरफ़ डीडायत देते हैं जिसे याडते हैं.

أَمْ حَسِبْتُمْ أَنْ تَدْخُلُوا الْجَنَّةَ وَلَمَّا يَأْتِكُمْ مَثَلُ

क्या तुमने ये गुमान कर रभा है के तुम जनत में दाडिल डो जाओगे डालांके तुम पर अब तक उन लोगों

الَّذِينَ خَلَوْا مِنْ قَبْلِكُمْ مَسَّتْهُمُ الْبَأْسَاءُ

जैसे डालात नडी आअे जो तुम से डेडले गुजर चुके. जिन को सप्तुी और

وَالضَّرَّاءُ وَزُلْزَلُوا حَتَّى يَقُولَ الرَّسُولُ وَالَّذِينَ

तकलीफ़ डडोंथी और वो डिला डिये गअे डडं तक के डेड उडे रसूल और वो लोग जो उन के साथ

أَمِنُوا مَعَهُ مَتَى نَصَرَ اللَّهُ ۖ إِلَّا إِنْ نَصَرَ اللَّهُ قَرِيبًا

ईमान लाअे थे के अडलाड की नुसरत कड आअेगी? सुनो! डकीनन अडलाड की नुसरत करीड है.

يَسْأَلُونَكَ مَاذَا يُنْفِقُونَ ۗ قُلْ مَا أَنْفَقْتُمْ مِنْ خَيْرٍ

वो सवाल करते हैं के क्या डर्य करे? आप डरमा डीजिये के जो डाल तुम डर्य करो

فَلِلْوَالِدَيْنِ وَالْأَقْرَبِينَ وَالْيَتَامَى وَالْمَسْكِينِ

वो वालिडैन, और रिशतेदारों, और डतीडों और डिसकीनों

وَأَبْنِ السَّبِيلِ ۗ وَمَا تَفْعَلُوا مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ اللَّهَ

और मुसाफिर के डिये डोना याडिये. और जो डलाई तुम करोगे तो डकीनन अडलाड

بِهِ عَلِيمٌ ﴿۱۲۳﴾ كُتِبَ عَلَيْكُمُ الْقِتَالُ وَهُوَ كُرْهُ لَكُمْ ۗ

उसे जानते हैं. तुम पर किताल इर्र किया गया डालांके ये तुमडें नाडसन्द है.

وَ عَسَى أَنْ تَكْرَهُوا شَيْئًا وَهُوَ خَيْرٌ لَكُمْ ۗ

और शायड किसी थीड को तुम नाडसन्द करो, डालांके वो तुमडारे डिये डेडतर डो.

وَ عَسَى أَنْ تُحِبُّوا شَيْئًا وَهُوَ شَرٌّ لَكُمْ ۗ وَاللَّهُ

और शायड तुम किसी थीड से डडडडत करो, डालांके वो तुमडारे डिये डुरी डो. और अडलाड

يَعْلَمُ وَأَنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ﴿۱۲۴﴾ يَسْأَلُونَكَ عَنِ الشَّهْرِ

जानते हैं और तुम जानते नडी डो. ये आप से सवाल करते हैं डुरडत वाले डडीने के मुतअडलिक,

الْحَرَامِ قِتَالٍ فِيهِ ۗ قُلْ قِتَالٌ فِيهِ كَبِيرٌ وَصَدٌّ

उस में किताल के मुतअडलिक. आप डरमा डीजिये के उस में किताल करना डडोत डडा गुनाड है. डेकिन

عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ وَ كُفْرًا بِهِ وَالْمَسْجِدِ الْحَرَامِ

अल्लाह के रास्ते से रोकना और अल्लाह के साथ कुड़ करना और मस्जिद हाराम से रोकना और

وَ إِخْرَاجِ أَهْلِهِ مِنْهُ أَكْبَرُ عِنْدَ اللَّهِ ۗ وَالْفِتْنَةُ

वहां वालों को वहां से निकालना, ये अल्लाह के नजदीक उस से भी बड़ा गुनाह है. और इत्ना

أَكْبَرُ مِنَ الْقَتْلِ ۗ وَلَا يَزَالُونَ يُقَاتِلُونَكُمْ

कत्ल से भी बड़ा गुनाह है. और वो लोग तुम से बराबर किताल करते रहेंगे

حَتَّىٰ يَرُدُّوكُمْ عَنْ دِينِكُمْ إِنِ اسْتَطَاعُوا ۗ وَمَنْ

यहां तक के तुम्हें तुम्हारे दीन से मुर्तद बना दें अगर वो उस की ताकत रभें. और जो

يَرْتَدِدْ مِنْكُمْ عَنْ دِينِهِ فِيمَتْ وَهُوَ كَافِرٌ

तुम में से अपने दीन से मुर्तद हो जायेगा, फिर वो मरेगा इस डाल में के वो काफिर है

فَأُولَٰئِكَ حَبِطَتْ أَعْمَالُهُمْ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۗ

तो उन के आमाह जायेअ हो जायेंगे दुन्या और आभिरत में.

وَ أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ ۗ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿٢٦﴾

और ये होअभी होंगे. वो उस में डमेशा रहेंगे.

إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَالَّذِينَ هَاجَرُوا وَ جَاهِدُوا

यकीनन वो लोग जो ईमान लाये और जिन्हों ने डिजरत की और जिहाद किया

فِي سَبِيلِ اللَّهِ ۗ أُولَٰئِكَ يَرْجُونَ رَحْمَتَ اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ

अल्लाह के रास्ते में, ये अल्लाह की रहमत के उम्मीदवार हैं. और अल्लाह बप्शने वाले,

عَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿٢٧﴾ يَسْأَلُونَكَ عَنِ الْخَيْرِ وَالْخَيْرُ قَلِيلٌ

निडायत रहम वाले हैं. ये आप से सवाल करते हैं शराब और जुवे के मुतअद्लिक. आप इरमा दीजिये

فِيهِمَا إِنَّمَا كَبِيرٌ ۗ وَمَنَافِعُ لِلنَّاسِ وَإِنَّهُمَا أَكْبَرُ

के उन दोनों में बड़ा गुनाह है, और लोगों के लिये कुछ मनाईअ भी हैं. और उन का गुनाह उन के नई से

مَنْ تَفَعَّاهَا ۗ وَ يَسْأَلُونَكَ مَاذَا يُنْفِقُونَ ۗ قُلْ

जयादा बड़ा है. और ये आप से सवाल करते हैं के क्या बर्य करें? आप इरमा दीजिये

الْعَفْوُ ۗ كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ الْآيَاتِ لَعَلَّكُمْ

के आईद को बर्य करो. इस तरड अल्लाह तुम्हारे लिये आयतें साइ साइ बयान करते हैं ताके तुम

تَتَفَكَّرُونَ ﴿١٩﴾ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ ۗ وَ يَسْأَلُونَكَ

دुनिया और आखिरत में सोचो. और ये आप से सवाल करते हैं यतीमों के मुतअद्लिक.

عَنِ الْيَتَامَىٰ ۗ قُلْ إِصْلَاحٌ لَّهُمْ خَيْرٌ ۚ وَإِنْ تُخَاطَبُوا

आप इरमा दीजिये के उन की ईस्लाह करना बेहतर है. और अगर उन का भर्य अपने साथ तुम मिला लो

فَإِخْوَانُكُمْ ۗ وَاللَّهُ يَعْلَمُ الْمُفْسِدَ مِنَ الْمَصْلِحِ ۗ

तो वो तुम्हारे भाई हैं. और अद्लाह जानता है माल बरबाद करने वाले को ईस्लाह करने वाले से.

وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ لَاعْنَتَكُمْ ۗ إِنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿٢٠﴾

और अगर अद्लाह चाडता तो तुम्हें भशकत में डालता. यकीनन अद्लाह जबरदस्त है, डिकमत वाला है.

وَلَا تُنْكِحُوا الْمُشْرِكَاتِ حَتَّىٰ يُؤْمِنَنَّ ۗ وَلَا مَآءَةً مُّؤْمِنَةً

और मुशरिक औरतों से तुम निकाह मत करो जब तक के वो ईमान न ले आअें और अलबत्ता ईमान वाली बान्दी

خَيْرٌ مِّنْ مُّشْرِكَةٍ ۚ وَلَوْ أَعْجَبَتْكُمْ ۗ وَلَا تُنْكِحُوا

मुशरिक औरत से बेहतर है, अगरये वो तुम्हें अथी लगे. और मुशरिक मरदों से निकाह

الْمُشْرِكِينَ حَتَّىٰ يُؤْمِنُوا ۗ وَلَعَبْدٌ مُّؤْمِنٌ خَيْرٌ

मत करो जब तक के वो ईमान न ले आअें. और अलबत्ता मोमिन गुलाम बेहतर है

مِّنْ مُّشْرِكٍ ۚ وَلَوْ أَعْجَبَكُمْ ۗ أُولَٰئِكَ يَدْعُونَ إِلَى النَّارِ ۗ

मुशरिक मर्द से अगरये वो तुम्हें अथी लगे. ये लोग दोज़ा की तरफ़ दावत देते हैं.

وَاللَّهُ يَدْعُوا إِلَى الْجَنَّةِ وَالْمَغْفِرَةِ بِإِذْنِهِ ۗ

और अद्लाह दावत देते हैं जन्नत की तरफ़ और अपने हुकम से मगफ़िरत की तरफ़.

وَ يُبَيِّنُ آيَاتِهِ لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَذَكَّرُونَ ﴿٢١﴾

और अद्लाह अपनी आयतों ईंसानों के लिये साइ साइ बयान करते हैं ताके वो नसीहत डसिल करें.

وَ يَسْأَلُونَكَ عَنِ الْمَحِيضِ ۗ قُلْ هُوَ أَذَىٰ فَاعْتَزِلُوا

और वो आप से सवाल करते हैं डैज के मुतअद्लिक. आप इरमा दीजिये के ये गन्दी थीज है, ईस लिये

النِّسَاءِ فِي الْمَحِيضِ ۗ وَلَا تَقْرُبُوهُنَّ حَتَّىٰ يَطْهُرْنَ ۗ

औरतों से डैज की डालत में अलग रडो. और उन के करीब मत जाओ यडों तक के वो पाक डो जाअें.

فَإِذَا تَطَهَّرْنَ فَأْتُوهُنَّ مِنْ حَيْثُ أَمَرَكُمُ اللَّهُ ۗ

इर जब वो पाक डो जाअें तो उन औरतों के पास आओ उस जगा से जडों से अद्लाह ने तुम्हें हुकम दिया है.

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ التَّوَّابِينَ وَ يُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ ﴿۲۱۳﴾

यकीनन अद्लाह तौबा करने वालों से मडब्बत इरमाते हैं और पाक रेहने वालों से मडब्बत इरमाते हैं।

نَسَاؤُكُمْ حَرَّتْ لَكُمْ فَآتُوا حَرَّتَكُمْ أَلَىٰ شِئْتُمْ ۚ

तुम्हारी औरतें तुम्हारी भेती हैं. तो अपनी भेती में आओ जिस तरीके से तुम याओ.

وَ قَدِّمُوا لِأَنفُسِكُمْ ۖ وَ اتَّقُوا اللَّهَ وَ اعْلَمُوا أَنَّكُمْ

और अपने लिये आगे की तदबीर करो. और अद्लाह से डरो और जान लो के अद्लाह से मिलने

مُلقُونَ ۖ وَ بَشِّرِ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۲۱४﴾ وَلَا تَجْعَلُوا اللَّهَ عُرْضَةً

वाले हो. और आप ईमान वालों को भशारत सुना दीजिये. और अद्लाह को अपनी कस्मों का निशाना

لَا إِيْمَانَكُمْ أَنْ تَبْرُوا وَ تَتَّقُوا وَ تَصْلِحُوا بَيْنَ

मत बनाओ के तुम नेकी नहीं करोगे और परहेजगारी नहीं करोगे और लोगों के दरमियान सुलह

النَّاسِ ۖ وَ اللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۲۱५﴾ لَا يُؤَاخِذُكُمُ اللَّهُ

न कराओगे. और अद्लाह सुनने वाले, ईल्म वाले हैं. अद्लाह मुआभजा नहीं करेंगे

بِاللَّعْوِ فِي إِيْمَانِكُمْ وَلَكِنْ يُؤَاخِذُكُمْ بِمَا كَسَبَتْ

तुम्हारी कस्मों में से लगव कसम पर. लेकिन अद्लाह तुम्हारा मुआभजा करेगा उस पर जिस का तुम्हारे हिलों

قُلُوبِكُمْ ۖ وَ اللَّهُ غَفُورٌ حَلِيمٌ ﴿۲۱६﴾ لِلَّذِينَ يُؤُولُونَ

ने पुज्ता ईरादा किया हो. और अद्लाह भश्शने वाले, हिल्म वाले हैं. उन लोगों के लिये जो कसम भा

مِنْ نِسَائِهِمْ تَرَبُّصُ أَرْبَعَةِ أَشْهُرٍ فَإِنْ فَاءُوا

लेते हैं अपनी भीवियों के पास जाने से चार महीने ईन्तिजार करना है. फिर अगर वो रुजूअ कर लें

فَإِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿۲۱७﴾ وَإِنْ عَزَمُوا الطَّلَاقَ

तो यकीनन अद्लाह भश्शने वाले, निहायत रहम वाले हैं. और अगर वो तलाक का पुज्ता ईरादा कर लें

فَإِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿۲۱८﴾ وَالْمُطَلَّقَاتُ يَتَرَبَّصْنَ

तो यकीनन अद्लाह सुनने वाले, ईल्म वाले हैं. और तलाक दी हुई औरतें अपनी जात के बारे में

بِأَنفُسِهِنَّ ثَلَاثَةَ قُرُوءٍ ۖ وَلَا يَحِلُّ لَهُنَّ

तीन हैज तक ईन्तिजार करें. और उन औरतों के लिये हलाल नहीं है

أَنْ يَكْتُمَنَّ مَا خَلَقَ اللَّهُ فِي أَرْحَامِهِنَّ إِنْ كُنَّ

के वो छुपायें उस को जो अद्लाह ने उन के रहम में पैदा किया अगर वो

يُؤْمِنَنَّ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ ۗ وَبُعُولَتُهُنَّ أَحَقُّ

अल्लाह पर और आखिरी दिन पर ईमान रखती हों. और उन के शौहर उकदार हों उन के

بِرَدِّهِنَّ فِي ذَٰلِكَ ۚ إِنَّ أَرَادُوا إِصْلَاحًا وَلَهُنَّ

लौटाने के उस मुद्दत में अगर वो ईस्लाह का इरादा करें. और उन औरतों के लिये भी उक है

مِثْلُ الَّذِي عَلَيْهِنَّ بِالْمَعْرُوفِ ۚ وَلِلرِّجَالِ عَلَيْهِنَّ

उसी जैसा जो उन औरतों के जिम्मे उक है उई के मुताबिक. लेकिन मरदों के लिये उन औरतों पर अेक

دَرَجَةٌ ۗ وَاللَّهُ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿٢٣﴾ الطَّلَاقُ مَرَّتَيْنِ ۖ

दरजा (ज्यादा उक) है. और अल्लाह जबरदस्त है, डिकमत वाले है. तलाक दो मरतबा (दी जा सकती)

فَإِمْسَاكٌ بِمَعْرُوفٍ أَوْ تَسْرِيحٌ بِإِحْسَانٍ ۗ وَلَا يَحِلُّ

है. उस के बाद या तो काईदे के मुताबिक रोक लेना है या फिर अखी तरह छोड देना है. और तुम्हारे लिये

لَكُمْ أَنْ تَأْخُذُوا مِمَّا آتَيْتُمُوهُنَّ شَيْئًا إِلَّا

उलाल नहीं है के कुछ भी ले लो उस महर में से जो तुम ने उन को दिया हो, मगर ये के

أَنْ يَخَافَا إِلَّا يُقِيمَا حُدُودَ اللَّهِ ۗ فَإِنْ خِفْتُمْ

वो दोनों डरें इस से के वो अल्लाह की हुदूद को काईम नहीं रख सकेंगे. फिर अगर तुम डरो

إِلَّا يُقِيمَا حُدُودَ اللَّهِ ۗ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا

के वो दोनों अल्लाह की हुदूद को काईम नहीं रख सकेंगे तो उन दोनों पर कोई गुनाह नहीं है

فِيهَا افْتَدَتْ بِهِ ۗ تِلْكَ حُدُودُ اللَّهِ ۗ فَلَا تَعْتَدُوهَا ۗ

उस में के औरत फिदया दे कर सुलू कर ले. ये अल्लाह की हुदूद हैं, तो उन से आगे मत भडो.

وَمَنْ يَتَعَدَّ حُدُودَ اللَّهِ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الظَّالِمُونَ ﴿٢٤﴾

और जो अल्लाह की हुदूद से आगे भडेगा तो यही लोग जालिम हैं. फिर अगर मर्द भीवी को

فَإِنْ طَلَّقَهَا فَلَا تَحِلُّ لَهُ مِنْ بَعْدِ حَتَّىٰ تَنْكِحَ

(तीसरी) तलाक दे दे, तो फिर वो औरत मर्द के लिये उलाल नहीं है उस के बाद यहाँ तक के वो औरत उस के अलावा

زَوْجًا غَيْرَهُ ۗ فَإِنْ طَلَّقَهَا فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا

किसी दूसरे शौहर से निकाह कर ले. फिर अगर वो दूसरा शौहर भी उसे तलाक दे दे, तो फिर उन दोनों पर कोई गुनाह नहीं

أَنْ يَتَرَاجَعَا ۚ إِنَّ ظَنًّا أَنْ يُقِيمَا حُدُودَ اللَّهِ ۗ وَتِلْكَ

है इस मेके वो आपस मेदोबारा निकाह कर ले अगर वो गुमान रखते हों के वो दोनों अल्लाह की हुदूद को काईम रख सकेंगे.

حُدُودُ اللَّهِ يُبَيِّنُهَا لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ ﴿١٣٠﴾ وَإِذَا طَلَّقْتُمْ

और ये अल्लाह की हद्द है, जिन को अल्लाह बयान करते हैं ऐसी क्रम के दिये जो जानती है. और जब तुम

النِّسَاءِ فَبَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ فَأَمْسِكُوهُنَّ بِمَعْرُوفٍ

औरतों को तलाक दो, फिर वो अपनी इदत की इन्तिहा (के करीब) पड़ोय जायें तो उन्हें रोक लो उई के

أَوْ سَرِّحُوهُنَّ بِمَعْرُوفٍ ۖ وَلَا تَبْسِكُوهُنَّ ضِرَارًا

मुताबिक या उन्हें छोड दो उई के मुताबिक. और उन को मत रोके रभो जरर पड़ोयाने के दिये

لِتَعْتَدُوا ۗ وَمَنْ يَفْعَلْ ذَلِكَ فَقَدْ ظَلَمَ نَفْسَهُ ۗ

ताके तुम जयादती करो. और जो ऐसा करेगा तो यकीनन उस ने अपनी जान पर जुल्म किया.

وَلَا تَتَّخِذُوا آيَاتِ اللَّهِ هُزُوًا ۗ وَادْكُرُوا نِعْمَتَ

और अल्लाह की आयतों को मजाक मत बनाओ. और याद करो अल्लाह की उस

اللَّهِ عَلَيْكُمْ وَمَا أَنْزَلَ عَلَيْكُمْ مِنَ الْكِتَابِ

नेअमत को जो तुम पर है और उस किताब और हिकमत को जो उस ने

وَالْحِكْمَةَ يَعِظُكُمْ بِهِ ۗ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا

तुम पर उतारी, इस की अल्लाह तुम्हें नसीहत करते हैं. और अल्लाह से डरो और जान लो

أَنَّ اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ﴿١٣١﴾ وَإِذَا طَلَّقْتُمُ النِّسَاءَ

के अल्लाह हर चीज को भुब जानने वाले हैं. और जब तुम औरतों को तलाक दो,

فَبَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ فَلَا تَعْضُلُوهُنَّ أَنْ يَنْكِحْنَ

फिर वो अपनी इदत की इन्तिहा को पड़ोय जायें तो उन को मत रोको इस से के वो अपने शौहरों से

أَزْوَاجَهُنَّ إِذَا تَرَاضُوا بَيْنَهُمْ بِالْمَعْرُوفِ ۗ ذَلِكَ

निकाह करें जब वो आपस में राजी हों उई के मुताबिक. उसी की नसीहत

يُوعِظُ بِهِ مَنْ كَانَ مِنْكُمْ يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ

की जाती है उस शप्स को जो तुम में से अल्लाह पर और आभिरि दिन पर इमान रभता

الْآخِرِ ۗ ذَلِكُمْ أَزْكَىٰ لَكُمْ وَأَطْهَرُ ۗ وَاللَّهُ يَعْلَمُ وَأَنْتُمْ

है. ये तुम्हारे दिये जयादा पाकीजगी वाला है और जयादा साफ़ सुथरा है. और अल्लाह जानता है

لَا تَعْلَمُونَ ﴿١٣٢﴾ وَالْوَالِدَاتُ يُرْضِعْنَ أَوْلَادَهُنَّ

और तुम नहीं जानते. और मायें अपनी औलाद को दूध पिलायें

حَوْلَيْنِ كَامِلَيْنِ لِمَنْ أَرَادَ أَنْ يُتِمَّ الرَّضَاعَةَ ۖ

पूरे दो साल, उस के लिये जो रजामत की मुदत पूरी करना चाहे.

وَعَلَى الْمَوْلُودِ لَهُ رِزْقُهُنَّ وَكِسْوَتُهُنَّ بِالْمَعْرُوفِ

और बाप (शौहर) के जिम्मे दूध पिलाने वाली औरतों को खाना और कपडा देना है उर्क के मुताबिक. किसी शप्स

لَا تُكَلَّفُ نَفْسٌ إِلَّا وُسْعَهَا ۚ لَا تُضَارُّ وَالِدَا

को तकलीफ़ नहीं दी जायेगी, मगर उस की वुस्अत के मुताबिक. किसी मां को जरूर नहीं पहोयाया जायेगा

بِوَالِدِهَا وَلَا مَوْلُودٌ لَهُ بِوَالِدَيْهِ ۗ وَعَلَى الْوَارِثِ

उस के बच्चे की वजह से और किसी बाप को जरूर नहीं पहोयाया जायेगा उस के बच्चे की वजह से और वारिस

مِثْلُ ذَلِكَ ۚ فَإِنْ أَرَادَا فِصَالًا عَنْ تَرَاضٍ مِّنْهُمَا

के जिम्मे भी उसी के मानिन्द है. फिर अगर मां बाप दोनों धरादा करे दूध छुडाने का आपस की रजामन्दी से

وَتَشَاوُرٍ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا ۗ وَإِنْ أَرَدْتُمْ

और आपस के मशवरे से तो उन पर कोई गुनाह नहीं है. और अगर चाओ के

أَنْ تَسْرُضَعُوا أَوْلَادَكُمْ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ إِذَا سَلَّمْتُمْ

तुम दूध पिलवाओ अपने बच्चों को, तो तुम पर कोई गुनाह नहीं है जब तुम हो

مَا آتَيْتُمْ بِالْمَعْرُوفِ ۗ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا

वो माल जो तुम देते हो उर्क के मुताबिक. और अल्लाह से डरो और जान लो के

أَنَّ اللَّهَ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿٢٣﴾ وَالَّذِينَ يَتَّقُونَ

अल्लाह तुम्हारे आमाल को देख रहे हैं. और जो तुम में से वफ़ात पा

مِنْكُمْ وَيَذَرُونَ أَزْوَاجًا يَتَرَبَّصْنَ بِأَنْفُسِهِنَّ

जायें और भीवियां छोड जायें तो वो अपने बारे में धन्तिजार करें

أَرْبَعَةَ أَشْهُرٍ وَعَشْرًا ۖ فَإِذَا بَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ

चार महीने और दस दिन. फिर जब वो अपनी धदत की धन्तिडा को पहोय जायें

فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِيمَا فَعَلْنَ فِي أَنْفُسِهِنَّ

तो तुम पर कोई गुनाह नहीं है उस में जो वो अपने बारे में करें

بِالْمَعْرُوفِ ۗ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ﴿٢٤﴾ وَلَا

उर्क के मुताबिक. और अल्लाह तुम्हारे आमाल से बाखबर है. और

جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِيمَا عَرَّضْتُمْ بِهِ مِنْ خِطْبَةِ النِّسَاءِ

तुम पर कोई गुनाह नहीं है उस में जिस को तुम ईशारे से बयान करो औरतों की मंगनी के मुतअद्लिक

أَوْ أَكْنَنْتُمْ فِي أَنْفُسِكُمْ عَلِمَ اللَّهُ أَنَّكُمْ سَتَذْكُرُونَهُنَّ

या तुम अपने दिलों में छुपाओ. अद्लाह जानता है के तुम उन औरतों का तजक़िरा करोगे

وَالَكِنْ لَا تُوَاعِدُوهُنَّ سِرًّا إِلَّا أَنْ تَقُولُوا قَوْلًا

लेकिन तुम उन से युपके युपके वादा मत कर लो, मगर ये के कोई अच्छी बात

مَعْرُوفًا وَلَا تَعْزِمُوا عُقْدَةَ النِّكَاحِ حَتَّىٰ يَبْلُغَ

कड़ो. और निकाह का बन्धन मजबूत मत बांध लो यहां तक के लिपी दूई मुदत अपनी

الكِتَابِ أَجَلَهُ ۚ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ مَا فِي أَنْفُسِكُمْ

ईन्तहा को पडोंय जाओ. और जान लो के अद्लाह जानता है उस को जो तुम्हारे दिलों में है,

فَاحْذَرُوا ۚ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ غَفُورٌ حَلِيمٌ ﴿۱۷﴾

तो तुम उस से डरो. और जान लो के अद्लाह बप्शने वाले, डिह्म वाले हैं.

لَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ إِنْ طَلَقْتُمْ النِّسَاءَ مَا لَمْ تَمْسُوهُنَّ

तुम पर कोई गुनाह नहीं है के अगर तुम ने औरतों को तलाक दी हो जब तुम ने उन को छुवा न हो,

أَوْ تَفَرِّضُوا لَهُنَّ فَرِيضَةً ۚ وَمَتَّعُوهُنَّ عَلَىٰ الْمَوْسَعِ

और तुम ने उन के लिये महर मुकरर न किया हो. और उन को अक जोडा हो, वुरसत वाले के जिम्मे उस की

قَدْرَهُ ۚ وَعَلَىٰ الْمُقْتِرِ قَدْرُهُ ۚ مَتَاعًا بِالْمَعْرُوفِ ۚ

ईस्तिताअत के बकदर है और तंगदस्त के जिम्मे उस की ईस्तिताअत के बकदर है. ये जोडा देना है ईई के

حَقًّا عَلَىٰ الْبِحْسِينِ ﴿۱۸﴾ وَإِنْ طَلَقْتُهُنَّ مِنْ

मुताबिक. ये लाजिम है नेकी करने वालों पर. और अगर तुम औरतों को तलाक हो उस से पेडले के

قَبْلِ أَنْ تَمْسُوهُنَّ وَقَدْ فَرَضْتُمْ لَهُنَّ

तुम उन को छुवो ईस डाल में के तुम ने उन के लिये महर मुकरर किया हो,

فَرِيضَةً فَنِصْفُ مَا فَرَضْتُمْ إِلَّا أَنْ يَعْفُونَ أَوْ يَعْفُوا

तो उस महर का आधा देना है जो तुम ने मुकरर किया है, मगर ये के वो औरतें माफ़ कर दें या वो शप्स (वली)

الَّذِي بِيَدِهِ عُقْدَةُ النِّكَاحِ ۚ وَأَنْ تَعْفُوا

माफ़ कर दें जिस के डाय में निकाह का बन्धन है. और ये के तुम माफ़ कर हो

أَقْرَبُ لِلتَّقْوَى ۖ وَلَا تَنسُوا الْفَضْلَ بَيْنَكُمْ ۗ

ये तकवे के ज्यादा करीब है. और तुम आपस में अहसान करना मत भूलो.

إِنَّ اللَّهَ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿۲۳﴾ حِفْظًا عَلَى الصَّلَاةِ

यकीनन अल्लाह तुम्हारे आमाल देख रहे हैं. तमाम नमाजों की रक्षित करो,

وَالصَّلَاةِ الْوَسْطَى ۖ وَ قَوْمُوا لِلَّهِ قَنِينَ ﴿۲۴﴾

भास तौर पर दरमियानी नमाज की. और अल्लाह के सामने पुशूर के साथ भडे हो जाओ.

فَإِنْ خِفْتُمْ فَرِجَالًا أَوْ رُكْبَانًا ۖ فَإِذَا أَمِنْتُمْ

झिर अगर तुम भौक़ की डालत में हो तो (झिर नमाज पण्डो) भडे भडे या सवारी पर. झिर जब तुम मामून

فَاذْكُرُوا اللَّهَ كَمَا عَلَّمَكُمْ مَا لَمْ تَكُونُوا تَعْلَمُونَ ﴿۲۵﴾

हो जाओ तो अल्लाह को याद करो जैसा के उस ने तुम्हें ईल्म दिया उस चीज का जो तुम जानते नही थे.

وَالَّذِينَ يُتَوَفَّوْنَ مِنْكُمْ وَيَذَرُونَ أَزْوَاجًا ۖ

और वो लोग जो तुम में से वफ़ात पा जायें और भीवियां छोड जायें,

وَصِيَّةً لِّأَزْوَاجِهِمْ مَّتَاعًا إِلَى الْحَوْلِ غَيْرِ

तो अपनी भीवियों के लिये वसीयत करना है अर्थ देने की अक साल तक इस डाल में के (उन को मकान से)

إِخْرَاجٍ ۚ فَإِنْ خَرَجْنَ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِي

निकाला न जाये. झिर अगर वो भुद ही शौहर के मकान से निकल जायें, तो तुम पर कोई गुनाह नही उस में

مَا فَعَلْنَ فِي أَنْفُسِهِنَّ مِنْ مَّعْرُوفٍ ۗ وَاللَّهُ عَزِيزٌ

जो वो अपनी जात के बारे में करे ईक़ में से. और अल्लाह जबरदस्त है,

حَكِيمٌ ﴿۲۶﴾ وَ لِلْمُطَلَّقاتِ مَتَاعٌ بِالمَعْرُوفِ ۗ حَقًّا

डिकमत वाले हैं. और तलाक़ दी हुई औरतों के लिये झरईदा पड़ोथाना है ईक़ के मुताबिक. ये

عَلَى الْمُتَّقِينَ ﴿۲۷﴾ كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ آيَاتِهِ

मुत्तकियों पर लाज़िम है. इस तरह अल्लाह तुम्हारे लिये अपनी आयतें साफ़ साफ़ भयान करते हैं

لَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ ﴿۲۸﴾ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ خَرَجُوا

ताके तुम अकलमन्द् बन जाओ. क्या आप ने देखा नही उन लोगों की तरफ़ जो अपने

مِنْ دِيَارِهِمْ وَهُمْ أَلُوفٌ حَذَرَ الْمَوْتِ ۗ

घरों से निकले इस डाल में के वो डजारों थे, (वो निकले) मौत के डर से.

فَقَالَ لَهُمُ اللَّهُ مُوتُوا ثُمَّ أَحْيَاهُمْ ۗ إِنَّ اللَّهَ

फ़िर अल्लाह ने उन से फ़रमाया के तुम सभ मर जाओ. फ़िर अल्लाह ने उन सभ को जिन्दा फ़रमा दिया.

لَذُو فَضْلٍ عَلَى النَّاسِ وَلَٰكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ

यकीनन अल्लाह ई-सानों पर ओहसान वाले हैं, लेकिन अकसर लोग

لَا يَشْكُرُونَ ﴿٢٢٣﴾ وَ قَاتِلُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَاعْلَمُوا

शुक्र अदा नहीं करते. और क़िताल करो अल्लाह के रास्ते में और जान लो के

أَنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ﴿٢٢٤﴾ مَنْ ذَا الَّذِي يُقْرِضُ اللَّهَ

अल्लाह सुन्ने वाले, ईल्म वाले हैं. कौन है जो अल्लाह को कर्ज़ दे

قَرْضًا حَسَنًا فَيُضِعَّهُ لَهَا أَضْعَافًا كَثِيرَةً ۗ

अच्छा कर्ज़, फ़िर अल्लाह उस के लिये उस को कई गुना बण्डाये. और

وَاللَّهُ يَقْبِضُ وَيَبْصُطُ ۗ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ﴿٢٢٥﴾

अल्लाह तंगी करते हैं और वुस्तत करते हैं. और उसी की तरफ़ तुम लौटाये जाओगे. क्या

أَلَمْ تَرَ إِلَى الْهَلَاءِ مِنْ بَنِي إِسْرَائِيلَ مِنْ بَعْدِ

आप ने देखा नहीं बनी ईस्राईल की जमाअत की तरफ़ मूसा (अलैहिस्सलाम) के बाद जब के

مُوسَىٰ إِذْ قَالُوا لِنَبِيِّنَا لَٰهُمْ آيَةٌ لَّآئِنَّا مَلَكَ تَقَاتِلُ

उन्हों ने क़हा अपने नबी से के आप हमारे लिये किसी को बादशाह बना कर हमारे साथ भेजिये ताके

فِي سَبِيلِ اللَّهِ ۗ قَالَ هَلْ عَسَيْتُمْ إِنْ كُتِبَ

हम अल्लाह के रास्ते में क़िताल करें. तो नबी ने फ़रमाया अगर तुम पर क़िताल इर्ज़ किया जाये

عَلَيْكُمْ الْقِتَالُ إِلَّا تُقَاتِلُوا ۗ قَالُوا وَمَا لَنَا

तो ये हो सकता है के तुम क़िताल न करो? तो उन्हों ने क़हा के हमें क्या हुवा के हम

أَنَّا نُقَاتِلُ فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَقَدْ أَخْرَجْنَا مِنْ دِيَارِنَا

क़िताल न करें अल्लाह के रास्ते में उलांके हमें अपने घरों से और अपने भेटों से

وَأَبْنَائِنَا فَلَمَّا كُتِبَ عَلَيْهِمُ الْقِتَالُ تَوَلَّوْا

निकाल दिया गया है. फ़िर जब उन पर क़िताल इर्ज़ किया गया तो मुकर गये

إِلَّا قَلِيلًا مِّنْهُمْ ۗ وَاللَّهُ عَلِيمٌ بِالظَّالِمِينَ ﴿٢٢٦﴾

मगर उन में से थोड़े. और अल्लाह ज़ालिमों को ખूब जानते हैं.

وَقَالَ لَهُمْ نَبِيُّهُمْ إِنَّ اللَّهَ قَدْ بَعَثَ لَكُمْ طَالُوتَ

और उन लोगों से उन के नबी ने इरमाया के यकीनन अल्लाह ने तुम्हारे लिये तालूत को बादशाह बना कर

مَلِكًا قَالُوا أَأَتَىٰ يَكُونُ لَهُ الْمُلْكُ عَلَيْنَا وَنَحْنُ

भेजा है. उन-हों ने कहा के उस के लिये हम पर बादशाहत कैसे हो सकती है, हालांकि हम उस की

أَحَقُّ بِالْمُلْكِ مِنْهُ وَلَمْ يُؤْتَ سَعَةً مِّنَ الْمَالِ ۗ

बनिसबत बादशाहत के ज्यादा हकदार हैं और उस को तो माल की वुस्तत भी नहीं दी गई.

قَالَ إِنَّ اللَّهَ اصْطَفَاهُ عَلَيْكُمْ وَزَادَهُ بَسْطَةً

नबी ने इरमाया के यकीनन अल्लाह ने उस को तुम पर मुत्तअब इरमाया है और उस के लिये धल्म और

فِي الْعِلْمِ وَالْجِسْمِ ۗ وَاللَّهُ يُؤْتِي مُلْكَهُ مَن

जसामत में ज्यादा वुस्तत दी है. और अल्लाह अपनी सल्तनत देते हैं जिसे

يَشَاءُ ۗ وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ ﴿٣٠﴾ وَقَالَ لَهُمْ نَبِيُّهُمْ

यादते हैं. और अल्लाह वुस्तत वाले, धल्म वाले हैं. और उन से उन के नबी ने इरमाया

إِنَّ آيَةَ مُلْكِهِ أَنْ يَأْتِيَكُمُ التَّابُوتُ فِيهِ

के यकीनन उस के बादशाह होने की निशानी ये है के तुम्हारे पास वो सन्दूक आ जायेगा जिस में

سَكِينَةٌ مِّن رَّبِّكُمْ وَبَقِيَّةٌ مِّمَّا تَرَكَ آلُ مُوسَىٰ

तुम्हारे रब की तरफ से तस्कीन की चीज है और उन तभरुकात का बकीया है जिस को आले मूसा

وَالْهُرُونَ تَحْمِلُهُ الْمَلَائِكَةُ ۗ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ

और आले हारून ने छोडा, उस को इरिशते उठा कर लायेगे. यकीनन उस में

لَايَةً لَّكُمْ إِن كُنْتُمْ مُؤْمِنِينَ ﴿٣١﴾ فَلَمَّا فَصَلَ

निशानी है तुम्हारे लिये अगर तुम धिमान लाते हो. फिर जब तालूत लशकरो को

طَالُوتُ بِالْجُنُودِ ۗ قَالَ إِنَّ اللَّهَ مُبْتَلِيكُمْ

ले कर यले तो तालूत ने कहा के यकीनन अल्लाह तुम्हारा अक नहर के जरिये धम्तिडान लेने

بِنَهْرٍ ۗ فَمَن شَرِبَ مِنْهُ فَلَيْسَ مِنِّي ۗ وَمَن

वाले हैं. फिर जो उस नहर में से पियेगा, तो वो मुज से नहीं है. और जो उस को

لَمْ يَطْعَمْهُ فَإِنَّهُ مِنِّي إِلَّا مَنِ اعْتَرَفَ غُرْفَةً

यभेगा भी नहीं तो यकीनन वो मुज से है, मगर वो जो अपने हाथ से युल्लू

بِيَدَيْهِ ۚ فَشَرِبُوا مِنْهُ إِلَّا قَلِيلًا مِّنْهُمْ ۝

उठा ले. फिर उन सब ने पिया नहर में से मगर उन में से थोड़े लोगों ने. फिर जब उस नहर

فَلَمَّا جَاوَزَهُ هُوَ وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ ۖ قَالُوا لَا طَاقَةَ

को पार कर लिया तालूत ने और उन लोगों ने जो आप के साथ ईमान लाये थे, तो वो केहने लगे के

لَنَا الْيَوْمَ بِجَالُوتَ وَجُنُودِهِ ۝ قَالَ الَّذِينَ يَظُنُّونَ

आज हमें जालूत और उस के लशकर से लड़ने की ताकत नहीं है. तो उन लोगों ने कहा जो यकीन

أَنَّهُمْ مُّلقُوا اللّٰهَ ۖ كَم مِّن فِئَةٍ قَلِيلَةٍ غَلَبَتْ

रभते थे के हमें अल्लाह से मिलना है के बड़ोत सी छोटी जमाअतें बड़ी

فِئَةً كَثِيرَةً ۚ بِإِذْنِ اللّٰهِ ۝ وَاللّٰهُ مَعَ الصّٰبِرِينَ ﴿۱۷۳﴾

जमाअत पर अल्लाह के हुकम से गालिब आ गई हैं. और अल्लाह सभ्र करने वालों के साथ हैं.

وَلَمَّا بَرَزُوا لِجَالُوتَ وَجُنُودِهِ قَالُوا رَبَّنَا افرغْ

और जब वो जालूत और उस के लशकर के मुकाबले के लिये निकले तो हुआ करने लगे के अे हमारे रभ!

عَلَيْنَا صَبْرًا وَثَبَّتْ اَقْدَامَنَا وَاَنْصَرْنَا

तू हम पर सभ्र उंडेल दे और हमारे कदम जमा दे और तू हमारी नुस्रत इरमा

عَلَى الْقَوْمِ الْكٰفِرِينَ ﴿۱۷۴﴾ فَهَزَمُوهُمْ بِاِذْنِ اللّٰهِ ۖ

काफिर कौम के खिलाफ. फिर उन्होंने ने उन को अल्लाह के हुकम से शिकस्त दी.

وَقَتَلَ دَاوُدُ جَالُوتَ وَاَتَتْهُ اللّٰهُ الْمَلِكَ

और दावूद (अलैडिस्सलाम) ने जालूत को कत्ल किया और अल्लाह ने दावूद (अलैडिस्सलाम) को सल्तनत

وَالْحِكْمَةَ وَعَلَّمَهُ مِمَّا يَشَاءُ ۝ وَلَوْ لَا دَفَعُ اللّٰهُ

और हिकमत दी और उन्हें ईल्म दिया उन चीजों का जो अल्लाह ने याहा. और अगर अल्लाह का

النَّاسَ بَعْضُهُمْ بِبَعْضٍ ۖ لَّفَسَدَتِ الْاَرْضُ

ईन्सानों में से अेक को दूसरे के जरिये हफ़ा करना न होता तो जमीन भराभ डो जाती,

وَلٰكِنَّ اللّٰهَ ذُو فَضْلٍ عَلٰى الْعٰلَمِيْنَ ﴿۱۷۵﴾ تِلْكَ اٰيَاتُ اللّٰهِ

लेकिन अल्लाह तमाम जहान वालों पर इजल वाले हैं. ये अल्लाह की आयतें हैं जिन को

نَتْلُوها عَلَيْكَ بِالْحَقِّ ۝ وَاِنَّكَ لَمِنَ الْمُرْسَلِيْنَ ﴿۱۷۶﴾

हम आप पर उक के साथ तिलावत करते हैं. और यकीनन आप भेजे हुवे पैगम्बरों में से हैं.